This question paper contains **4** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **133**

Unique Paper Code : **241561** **E**

Name of the Paper : **ESB 4(a) : Evolution of Policy and Institutional Framework**

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Entrepreneurship and Small Business**

Semester : **V**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

Note : Answers may be written *either* in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेज़ी **या** हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

Attempt all the *five* questions.

सभी **पाँच** प्रश्न कीजिये ।

1. How the industrial policy of Govt. of India particularly regarding small enterprise sector is very often linked to Gandhian Philosophy of decentralized form of economic development ?

भारत सरकार की औद्योगिक नीति को, विशेषकर छोटे उद्यम वाले क्षेत्रक के बारे में किस प्रकार बहुधा आर्थिक विकास के विकेंद्रीकृत रूप के गाँधीवादी दर्शन से जोड़ा जाता है ?

P.T.O.

Or

(अथवा)

Describe the salient features of IPR 1991. Illustrate how this policy is differentiated from earlier IPRs.

IPR 1991 की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए । यह नीति किस प्रकार पहले के IPRs से विभेदित है, व्याख्या कीजिये ।

2. "Creation of basic institutional structure was the aim to give a support to the small enterprise sector." Could this objective be realized ?

"आधारी संस्थागत संरचना का सृजन छोटे उद्यम वाले क्षेत्रक के समर्थन देने के उद्देश्य से किया गया था ।" क्या यह उद्देश्य हासिल हो सका ?

Or

(अथवा)

Write notes on :

(*a*) EDI

(*b*) Export Promotion Council.

निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए :

(क) EDI

(ख) निर्यात संवर्धन परिषद ।

3. Give a brief account of SIDBI's role in the promotion of small enterprise sector in India.

भारत में छोटे उद्यम क्षेत्रक के संवर्धन में SIDBI की भूमिका का संक्षिप्त विवरण दीजिए ।

Or

(अथवा)

Critically examine the existence of multifarious institutions both financial and non-financial for the development of small enterprise sector.

छोटे उद्यम क्षेत्रक के विकास के लिए बहुविध संस्थाओं, वित्तीय तथा गैरवित्तीय दोनों, की मौजूदगी की आलोचनात्मक जाँच कीजिये ।

4. Describe various non-Govt. initiatives towards promotion of small scale enterprises in the NCR of Delhi.

दिल्ली के NCR क्षेत्र में छोटे पैमाने के उद्यमों के संवर्धन में विभिन्न गैरसरकारी पहलों का वर्णन कीजिये ।

Or

(अथवा)

Critically examine the contribution of self-help groups as an agent for bringing entrepreneurial growth in the country.

देश में उद्यमशीलता में वृद्धि लाने के लिए एक एजेन्ट के रूप में स्वावलंबी समूहों के योगदान की आलोचनात्मक जाँच कीजिए ।

5. Write notes on the following :

निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(*a*) State Financial Corporation (SFCs).

(*b*) Technical Consultancy Organization (TCO)

(क) राज्य वित्तीय निगम

(ख) तकनीकी परामर्श संगठन ।

Or

(अथवा)

(*a*) NSIC

(*b*) Directorate of Industries (DIs).

(क) NSIC

(ख) उद्योग निदेशालय (DIs) ।